वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 88 | बुधवार 26 जुलाई 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

स्वास्थ्य रोग एवं रक्तदान शिविर का उठाया फायदा

आयकर कर्मचारियों एवं अधिकारियों को डॉक्टर्स ने स्ट्रेस से दूर रहने और फिट रहने का दिया सुझाव

जयपुर. कासं। आयकर दिवस के अवसर पर स्टेच्यू सर्किल स्थित आयकर भवन के परिसर में स्वास्थ्य रोग एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। हेल्दी स्माइल्स ग्रुप सोसाइटी के तत्वावधान में आयोजित इस शिविर का उद्घाटन प्रधान आयकर आयुक्त प्रशांत भूषण की ओर से किया गया। हेल्दी स्माइल्स के अध्यक्ष डॉ समीर शर्मा ने बताया कि शिविर में संतोकबा दुर्लभजी की ओर से रक्तदान की व्यवस्था कराई गई, जिसमें आयकर कर्मचारियों एवं अधिकारियों की ओर से 45 यूनिट रक्तदान किया गया। शिविर में 200 लोगों ने निःशुल्क स्वास्थ्य लाभ एवं दवाइयों का लाभ लिया। विभिन्न क्षेत्रों के चिकित्सकों दंत, हृदय, नाक कान गला, नेत्र, होमेओपेथी सहित कई तरह के एक्स्पर्ट्स से सुझाव लिए। यहां लोगों ने कई तरह की जांचे भी करवाई और डॉक्टर्स से परामर्श लिया। डॉ के के शर्मा एवं डॉ निशा गौर द्वारा श्वास रोग एवं गुर्दा रोग के ऊपर व्याख्यान दिए। सचिव डॉ बलविंदर सिंह ठक्कर ने बताया कि शिविर में डॉ सुनील मंगल, डॉ निशांत गुप्ता, डॉ कुश मेहरोत्रा, डॉ एस आर नेहरा, डॉ शैलेश श्रीवास्तव, डॉ विनोद शर्मा, डॉ प्राची , डॉ उपेंद्र अग्रवाल , महेंद्र कुमार , डॉ शुभ्रा आदि ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

जयपुर में 25 सूत्री मांगों को लेकर बेरोजगारों का धरना

उपेन बोले- केसावत समेत RPSC सदस्यों की हो जांच, जल्द जारी हो भर्ती कैलेंडर

जयपुर. कासं। राजस्थान में विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही बेरोजगारों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मंगलवार को 25 सूत्री मांगों को लेकर राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के बैनर तले बड़ी संख्या में बेरोजगारों ने जयपुर के शहीद स्मारक पर धरना दिया। इस दौरान बेरोजगारों ने कहा कि अगर सरकार ने हमारी मांगों को जल्द से जल्द पूरा नहीं किया तो आने वाले चुनाव में हम सरकार को वोट के माध्यम से इसका जवाब देंगे। राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेन यादव ने कहा कि राजस्थान में पेपर लीक माफिया के खिलाफ सरकार को सिर्फ कागजों में नहीं बल्कि धरातल पर कार्रवाई करनी होगी। आरपीएससी और कर्मचारी चयन बोर्ड जैसी संस्थाओं में राजनीतिक नियुक्तियों की जगह यूपीएससी की तर्ज पर नियुक्ति दी जानी चाहिए तभी राजस्थान में युवाओं के भविष्य के साथ हो रहा खिलवाड़ रुक सकेगा। इसके साथ ही लंबित भर्ती प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा कर नियुक्ति दी जाए। वहीं एक लाख पदों पर होने वाली भर्ती का वर्गीकरण कर विज्ञप्ति जारी हो। ताकि पढ़ लिखकर नौकरी का इंतजार कर रहे युवाओं को एक मौका मिल सके। इन मांगों को लेकर हम पिछले लंबे वक्त से आंदोलन कर रहे हैं। ऐसे में लेकिन अगर सरकार ने अब भी हमारी मांग नहीं मानी। तो प्रदेशभर के युवा आने वाले चुनाव में वोट की चोट से इसका जवाब देंगे।

विशेषयोग्य बच्चों के साथ मनाया सावन उत्सव

बौद्धिक व शारीरिक दिव्यांगजनों में योग्यता की कमी नहीं, मंच देने की आवश्यकता

जयपुर. कासं। कला मंजर सोसायटी एवं सपोर्ट फाउंडेशन फॉर ऑटिज्म एंड डवलपमेंटल डिसेबिलिटीज की ओर से उमंग स्कूल, जयपुर के प्रांगण में सयुंक्त रूप से विशेष बच्चों के साथ सावन उत्सव आयोजित किया गया। जिसका उद्देश्य समाज को ये सन्देश देना था कि बौद्धिक व शारीरिक दिव्यांगजनों में योग्यता की कमी नहीं होती, बस इन्हें जरूरत है एक उचित मंच की और सामान्य लोगों के साथ की। आयोजन में बच्चों के अभिभावकों ने भी भाग लिया। बच्चों से खेल खिलवाए गए व नृत्य व गायन प्रस्तुतियां भी करवाई गई। अक्षय भटनागर ने बॉलीवुड गाने पर नृत्य किया, अंकित सिंह ने देशभक्ति गीत गाया, शिवेंद्र कुमार ने की-बोर्ड बजाया, जिस पर उन्हीं के पापा ने गीत गाया और भी बच्चों ने सामूहिक प्रस्तुति दी। विक्रम राव के म्यूजिकल बेंड ने भी अपनी प्रतुतियां दीं। कार्यक्रम पूरी तरह बच्चों के मनोरंजन पर केंद्रित था, जिसमें उनका मनोबल बढ़ाने के लिए वरिष्ठ नृत्यगुरु व अभिनेत्री उषाश्री, महारानी कॉलेज की पूर्व प्रिंसिपल व सामाजिक कार्यकर्ता डॉ अमला बत्रा, दिव्यांगता पर वरिष्ठ व अनुभवी सामाजिक कार्यकर्ता रवि हूजा सहित अनेक गणमान्य लोग आयोजन में उपस्थिति थे। इन आयोजनों का मुख्य उद्देश्य सभी प्रकार के दिव्यांगजनों को आमजनों के साथ जोड़ना व जागरूकता लाना है।

अपनी संस्कृति एवम संस्कारों को नहीं भूलना चाहिए : पवन जैन

स्याद्वाद युवा क्लब ने त्रिलोकतीर्थ में किया 500वां अभिषेक

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

बड़ागांव। हमें कभी भी अपनी संस्कृति और संस्कारों को नहीं भूलना चाहिए । पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री विद्याभूषण सन्मतिसागर जी महाराज ने स्याद्वाद के माध्यम से जिन संस्कारों का बीजारोपड़ युवा साथियों में किया था वह आज दिखाई दे रहा है । उक्त विचार मध्य प्रदेश के पुलिस महानिदेशक श्री पवन जैन भोपाल ने स्याद्वाद युवा क्लब के 500वें साप्ताहिक अभिषेक कार्यक्रम के पश्चात व्यक्त किए। पुलिस महानिदेशक पवन जैन भोपाल ने बताया कि 23 जुलाई, रविवार को मुझे स्याद्वाद युवा क्लब द्वारा त्रिलोक तीर्थ धाम, बड़ागांव में आयोजित 500वें साप्ताहिक अभिषेक में श्रीजी के अभिषेक-शांतिधारा का सौभाग्य मिला। आचार्य श्री विद्याभूषण सन्मतिसागर जी महाराज की दूरगामी सोच 'स्याद्वाद युवा क्लब' के रुप में आज की युवा पीढ़ी को अपने धर्म से जुड़ने का अवसर मिल रहा है। अत्यंत गर्व की बात है कि हमारी जैन समाज में ऐसे युवा संगठन भी हैं जो इस भागम-भाग की जिंदगी में अपने धार्मिक संकल्पों के साथ आगे बढ़कर कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। स्याद्वाद युवा क्लब समाज की एक ऐसी संस्था है जिसने जिनेंद्र प्रभु के अभिषेक-पूजन की प्रतिज्ञा की है और ऐसे दृढ़ निश्चय के साथ आगे बढ़ते-बढ़ते 100वें, 200वें और अब 500वें अभिषेक तक पहुंच गए हैं। उत्तर प्रदेश के बागपत जिलाअंतर्गत अतिशय क्षेत्र बड़ागांव में आचार्य श्री विद्याभूषण सन्मतिसागर महाराज की प्रेरणा एवम आशीर्वाद से निर्मित त्रिलोकतीर्थ धाम में जमीन से 317 फीट की ऊँचाई पर विराजित विश्ववंदनीय भगवान श्री आदिनाथ की अष्टधातु की प्रतिमा पूरे देश की सबसे ऊँची पद्मासन की प्रतिमा है। राजाखेड़ा और चंबल अंचल के सैकड़ों युवा क्लब के अध्यक्ष शैलेश जैन, सुदीप जैन, अजय जैन और रुपेश जैन के नेतृत्व में धर्म, अध्यात्म एवं मानव सेवा का नया अध्याय लिख रहे हैं। सभी को मेरी ओर से ढेर सारी शुभकामनाएं। आप सब ऐसे ही धर्म के पथ पर आगे बढ़ते रहें। साथ ही अधिक से अधिक लोगों को भी जोड़ते रहें।

29 से 31 जुलाई को प्रसन्न उत्सव-2023

जयपुर. शाबाश इंडिया। वर्ष 2023 का प्रसन्न उत्सव दिनांक 29 जुलाई से 31 जुलाई 2023 भट्टारक जी की नसियां, नारायणसिंह सर्किल, जयपुर में लगाई जा रही है । मुख्य संयोजक श्री पवन जैन पांड्या एवम श्रीमति मीनाक्षी सोगानी के अनुसार महिला सशक्तिकरण एवम समाज की महिलाओं के उत्थान के लिए आयोजित इसमें समाज की महिलाओं द्वारा हस्तनिर्मित राखियां, ज्वेलरी, खिलोने, खाने पीने का सामान एवम महिलाओ के परिधान की स्टॉल्स लगाई जाएगी। दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल के महामंत्री श्री महावीर बाकलीवाल एवम झोटवाड़ा संभाग के अध्यक्ष श्री पवन जैन पांड्या के अनुसार इस एग्जिबिशन में तीन दिवसीय अल्पसंख्यक कार्ड, मूलनिवास, जाति-प्रमाणपत्र, चिरंजीवी इंश्योरेंस पॉलिसी आदि के नवीनीकरण एवम संसोधन का शिविर भी लगाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दी फोन पर बधाई

वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण चन्द्र छाबड़ा का 94 वां जन्मदिन 130 वृक्ष लगाने के संकल्प के साथ सादगी से मनाया जन्म दिन-संतो से लिया आशीर्वाद

जयपुर

वरिष्ठ पत्रकार एवं पत्रकारिता के पुरोधा प्रवीण चन्द्र छाबड़ा ने मंगलवार को अपना 94वां जन्मदिन सादगीपूर्ण मनाया। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने फोन पर श्री छाबड़ा को बधाई देते हुए श्री छाबड़ा के शतायु व दीर्घायु होने एवं निरोगी रहने की मंगल कामनाएं की। जन्म दिन के मौके पर श्री छाबड़ा ने धार्मिक, सामाजिक एवं मानव सेवार्थ गतिविधियों के साथ अपना जन्मदिन मनाया। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि प्रातः श्री छाबड़ा ने प्रतापनगर सैक्टर 8 में चातुर्मासरत आचार्य सौरभ सागर महाराज एवं आमेर में चातुर्मासरत उपाध्याय ऊर्जन्तसागर महाराज के दर्शन लाभ प्राप्त कर आशीर्वाद प्राप्त किया।इस मौके पर दोनों संतों ने श्री छाबड़ा को दीर्घायु होने तथा समाज की लगातार सेवा करने का आशीर्वाद दिया। चातुर्मास कमेटी की ओर से श्री छाबड़ा का भावभीना स्वागत व सम्मान किया गया। श्री जैन ने बताया कि श्री छाबड़ा दोपहर में श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरि पहुंचे जहां भगवान पार्श्वनाथ के दर्शन,पूजा अर्चना के बाद चूलगिरि की 1100 सिढ्ढियों पर 130 वृक्ष लगाने का संकल्प लेते हुए एक पौधारोपण किया। श्री जैन ने बताया कि तत्पश्चात श्री छाबड़ा अपने तारों की कूंट के सूर्य नगर स्थित निवास पर पहुंचे जहां बधाई देने वालों का तांता लग गया।

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा ''इंडिया मेडिटेट्स'' अभियान का आरंभ

अभियान से जुड़ने के लिए 2 लाख भारतीयों ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया...

बैंगलोर. शाबाश इंडिया

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के ''हर घर ध्यान'' कार्यक्रम के अन्तर्गत भागीदार के रूप में सभी उम्र और पृष्ठभूमि के लोगों को ध्यान और आत्म-जागरूकता के अभ्यास द्वारा सशक्त बनाने के लिए आर्ट ऑफ लिविंग ने 24 से 31 जुलाई 2023 के मध्य ''इंडिया मेडिटेट्स'' अभियान शुरू किया है। इस अभियान को भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय का पूर्ण समर्थन प्राप्त है। यह अभियान स्वतंत्रता दिवस, 15 अगस्त 2023 को पूर्ण होगा, जो समग्र आरोग्य की दिशा में हुई देश की प्रगति में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। **इंडिया मेडिटेट्स शृंखला में पूरे दिन में आठ बार निःशुल्क ऑनलाइन ध्यान सत्र अयोजित किए जाएंगे:** सुबह 6:00 बजे, सुबह 7:00 बजे, सुबह 8:00 बजे, दोपहर 2:00 बजे, दोपहर 3:00 बजे, शाम 6:00 बजे, शाम 7:00 बजे और रात 8:00 बजे। ये लाइव ऑनलाइन सत्र आर्ट ऑफ लिविंग के विशेषज्ञ जानकारों द्वारा आयोजित किए जाएंगे।

इंडिया मेडिटेट्स अभियान में कैसे भाग लें

वेबसाइट indiamededitates.org पर पंजीकरण करने के बाद प्रतिभागियों को एक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा जाएगा और सत्र के लिए लाइव लिंक प्राप्त होंगे। उन्हें संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार और आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा मान्यता प्राप्त ई-प्रमाणपत्र भी प्राप्त होगा। आजादी के 75 साल पूरे होने पर आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर संस्कृति मंत्रालय ने भारत के नागरिकों को ध्यान की परिवर्तनकारी कला में शिक्षित और सशक्त बनाने के लिए आर्ट ऑफ लिविंग के साथ साझेदारी की है। यह परियोजना 26 अक्टूबर 2022 को बैंगलोर में आर्ट ऑफ लिविंग के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय में वैश्विक मानवतावादी और आध्यात्मिक गुरु गुरुदेव श्री श्री रविशंकर द्वारा कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री श्री बासवराज बोम्मई की उपस्थिति में 20 हजार लोगों के मध्य आरंभ की गई थी। ''हर घर ध्यान'' पहल को तब से देश भर में अति सफलता मिली है। हाल के महीनों में दस लाख से अधिक

प्रतिभागियों ने ऑनसाइट कार्यक्रमों में भाग लिया है। गुरुदेव श्री श्री रविशंकर कहते हैं, ''ध्यान आपके दृष्टिकोण को बदलने में मदद करता है। यह वस्तुओं को समझने के आपके रवैये में सुधार लाता है। यह आपके आस-पास के लोगों के साथ आपकी बातचीत को बेहतर बनाता है। आप क्या कहते हैं, आप कैसे प्रतिक्रिया करते हैं और विभिन्न स्थितियों में कैसे कार्य करते हैं; इन सबके बारे में आप अधिक जागरूक हो जाते हैं।'' यह सिद्ध हो चुका है कि ध्यान शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है, समग्र स्वास्थ्य में सुधार लाता है, तनाव, चिंता और अवसाद को कम करता है, साथ ही व्यक्ति को अपने मन को प्रबंधित करने की क्षमता प्रदान करता है तथा उसकी सहनशक्ति बढ़ाता है।

संयम जीवन का आधार, खाने व वाणी में संयम से समस्याओं का समाधानः डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा.

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

संयम रखने पर मन व तन दोनों को शांति मिलेगी। रूप रजत विहार में महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. के सानिध्य में संयम दिवस पर व्याख्यानमाला

भीलवाड़ा। जिनवाणी हम भव जीवन से तारने वाली है। जिनवाणी सीखाती है संयम ही जीवन है। संयम समस्याओं का समाधान तो असंयम समस्याओं की जड़ व दुःख का कारण है। संयम से ही आत्मा को सुख व शांति मिलती है। वाणी का संयम मानसिक शांति देता है तो खाने का संयम शारीरिक बीमारियों से बचाता है। ये दोनों संयम रखने पर मन व तन दोनों को शांति मिलेगी। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में मंगलवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. के सानिध्य में अणुव्रत समिति भीलवाड़ा के तत्वावधान में संयम दिवस पर व्याख्यानमाला में मधुर व्याख्यानी दर्शनप्रभाजी म.सा. ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि व्यक्ति शारीरिक से ज्यादा मानसिक बीमारियों से परेशान होता है। मानसिक अशांति ही जीवन में तनाव का कारण होती है। इस तनाव के चलते ही ह्दयघात के मामले बढ़ रहे है। साध्वीश्री ने कहा कि हम अभी धर्म साधना में पीछे है ओर सांसारिक मोह माया में ही उलझे हुए है। इंसान जब 70-75 वर्ष का हो जाए तो उसे खुद सांसारिक क्रियाओं से विरक्त होकर धर्मसाधना के लिए समर्पित कर देना चाहिए। धर्मसभा में नवदीक्षिता हिरलप्रभाजी म.सा. ने गीत संसार है परदेश धन्य है जो चल पड़े की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। धर्मसभा में आगम मर्मज्ञा

डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा., तत्वचिंतिका डॉ.समीक्षाप्रभाजी म.सा., आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी म.सा. का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। धर्मसभा में अणुव्रत समिति भीलवाड़ा की ओर से बताया गया कि वर्ष 1949 में आचार्य तुलसी की प्रेरणा से अणुव्रत आंदोलन की शुरूआत हुई जो अब 75वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। इसके तहत हर मंगलवार को संयम दिवस मना लोगों को अणुव्रत से जुड़ने की प्रेरणा दी जा रही है। अणुव्रत समिति की ओर से श्री अरिहन्त विकास समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र सुकलेचा का सम्मान भी किया गया। धर्मसभा में शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए श्रावक-श्राविका बड़ी संख्या में मौजूद थे। धर्मसभा का संचालन श्रीसंघ के मंत्री सुरेन्द्र चौरड़िया ने किया। चातुर्मासिक नियमित प्रवचन प्रतिदिन सुबह 8.45 बजे से 10 बजे तक हो रहे है।

संथारा साधना संग छोड़ते देह तो मृत्यु भी बन जाता महोत्सव

गुरू मिश्री रूप सुगन की परमभक्त संथारासाधिका सुश्राविका श्रीमती प्रेमदेवीजी डांगी (धर्मपत्नी-श्री गजराजसिंह डांगी) के आध्यात्मिक वातावरण में संथारा सम्पन्न कर देवलोकगमन पर धर्मसभा में भावांजलि अर्पित की गई। महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. एवं दर्शनप्रभाजी म.सा. ने दिवंगत आत्मा की आध्यात्मिक प्रगति की मंगलकामना करते हुए कहा कि जब संथारा साधना संग देह छोड़ी जाए तो मृत्यु भी महोत्सव बन जाता है। हमेशा धर्म प्रभावना के लिए अग्रणी रहने वाली सुश्राविका प्रेमदेवी ने सदा देव, गुरू व धर्म की सेवा व भक्ति भावना से जिनशासन का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि संथारा ग्रहण करते वक्त ओर देह छोड़ते वक्त भी हम उनके पास में थे। अंतिम पलों तक भी वह चेतन अवस्था में रहकर धर्म की साधना कर रहे थे। धर्मसभा में श्री अरिहन्त विकास समिति की ओर से भी भावांजलि अर्पित की गई। रूप रजत विहार में मंगलवार सुबह 8.30 से 9.15 बजे तक सर्वसुखकारी व सर्वव्याधि निवारक घण्टाकर्ण महावीर स्त्रोत जाप का आयोजन किया गया। मधुर व्याख्यानी डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा. ने ये जाप सम्पन्न कराया। इसमें बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लेकर सभी तरह के शारीरिक कष्टों के दूर होने एवं सर्वकल्याण की कामना की। चातुर्मासकाल में प्रत्येक मंगलवार को सुबह 8.30 से 9.15 बजे तक इस जाप का आयोजन हो रहा है।

वेद ज्ञान

नम्रता का अर्थ भाव से जीना

नम्रता एक ऐसा दुर्लभ सद्गुण है, जिसे हमें अपने जीवन में धारण करना है। नम्रता का अर्थ ऐसे भाव से जीना है कि हम सब एक ही परमात्मा की संतान हैं। जब हमें यह अहसास होता है कि प्रभु की नजरों में सब एक समान हैं तो दूसरों के प्रति हमारा व्यवहार नम्र हो जाता है। जब हमारा अहंकार खत्म हो जाता है तब हमारा घमंड और गर्व मिट जाता है। तब हम किसी को पीड़ा नहीं पहुंचाते। हम महसूस करते हैं कि प्रभु की दया से हमें कुछ पदार्थ मिले हैं और जो पदार्थ हमें दूसरों से अलग करते हैं, वे भी प्रभु के दिए उपहार हैं। अपने अंतर्मन में प्रभु का प्रेम अनुभव करने से हमारे अंदर नम्रता आती है। तब हर चीज में हमें प्रभु का हाथ नजर आता है। हम देखते हैं कि करने वाले तो प्रभु हैं। जब हमारे अंतर्मन में इस तरह की आत्मिक नम्रता का विकास होता है तब हमारे अंदर धन, मान-प्रतिष्ठा, ज्ञान और सत्ता का अहंकार नहीं आ पाता। ऐसा कहा जाता है कि जहां प्रेम है, वहां नम्रता है। हम जिनसे प्यार करते हैं उनके आगे अपनी शेखी नहीं बघारते, न ही उन पर क्रोध करते हैं। हमें उन लोगों के प्रति भी इसी तरह का व्यवहार करना चाहिए जिनसे हम अपरिचित हैं। यह भी कहा जाता है कि जहां प्यार है, वहां निःस्वार्थ सेवा का भाव होता है। हम जिनसे प्रेम करते हैं, उनकी सहायता करना चाहते हैं, लेकिन हमें जो भी मिले, हमें उसकी मदद करनी चाहिए, क्योंकि सब में प्रभु की ज्योति है। अपने भीतर नम्रता विकसित करने का एक तरीका है-ध्यान का अभ्यास। जब हम अपने अंतस में स्थित प्रभु की ज्योति और शब्द से जुड़ते हैं तो हमसे प्रेम, नम्रता और शांति का प्रवाह होता है। हम दूसरों की निःस्वार्थ सेवा करते हैं ताकि उनके दुख-तकलीफ कम हो सकें। जीवन के तूफानी समुद्र में हम एक दीप-स्तंभ बन जाते हैं। समुद्री तूफान के समय जब जहाज और नावें रास्ता भटक जाते हैं तो वे हमेशा दीप-स्तंभ की ओर देखते हैं। एक बार अंतस में प्रभु की ज्योति का अनुभव पाने और यह अहसास करने के बाद की हम प्रभु के अंश हैं, हम एक सच्चे इंसान के प्रतीक बनकर एक प्रकाश-स्तंभ की तरह दूसरों को सहारा देते हैं, उन्हें राह दिखाते हैं। जब हम प्रभु के प्रेम से भर उठते हैं तब हम देखते हैं कि इससे हमारे जीवन में उत्साह का संचार हो गया है।

संपादकीय

हर बार पहाड़ों पर वही कहानी...

वर्तमान संकट फिर बारिश के रूप में कहर ढा रहा है। हिमालय का कोई भी कोना ऐसा नहीं है, खास तौर से पश्चिमी हिमालय, जहां उसका असर न दिखाई दे रहा हो। हिमाचल प्रदेश अबकी बार ज्यादा प्रभावित हुआ, लेकिन जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड भी उसकी चपेट में हैं। यह सब कुछ लंबे समय से होता चला जा रहा है और अब हिमालय के लोग चिंतित हैं। जब तमाम रास्ते उजड़ गए हों, आवाजाही बाधित हो गई हो और खाने-पीने का संकट सिर पर आ गया हो तो फिर कुछ बचा हुआ नहीं दिखता। देश की सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी रुकी हुई आवाजाही सीमाओं को असुरक्षित बना सकती है। इस बार की बारिश ने एक बार फिर 2013 की त्रासदी की याद दिला दी। तब केदारनाथ की घटना ने जान-माल का बड़ा नुकसान किया था। इस बार की बारिश ने फिर से हिमाचल और उत्तराखंड को पूरी तरह झकझोर दिया है। अब पहाड़ मानसून का स्वागत नहीं करते। स्थानीय लोगों के लिए मानसून का समय संकट भरा हो जाता है। पिछले एक दशक में हर साल हिमालय के किसी न किसी इलाके में बारिश से तबाही होती चली आ रही है। अब यह तबाही राष्ट्रीय चिंता का विषय बननी चाहिए। जिस भूभाग से देश को जीवन के सबसे महत्वपूर्ण अवयव मिलते हों, यदि वह संकट में हो तो फिर देश की परिस्थितियों को सुरक्षित नहीं समझ सकते। हिमालयी राज्यों का गठन आर्थिक असुरक्षा और पिछड़ेपन को दूर करने को लेकर हुआ था। इन राज्यों के गठन का एक उद्देश्य यह भी था कि उनके पिछड़ेपन को दूर करते हुए उन्हें देश की मुख्यधारा से जोड़ा जाए ताकि वहां से पलायन थमे। इस क्रम में उस सवाल की अनदेखी कर दी गई, जो पूरे हिमालय की पर्यावरण सुरक्षा को लेकर था। परिणाम सामने है। आज हिमालय त्रस्त है। आज हमें उन तमाम वैज्ञानिक अध्ययनों का संज्ञान लेना चाहिए, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो चुके हैं। धरती के बढ़ते तापमान ने सबको चिंतित कर दिया है। वैसे तो दुनिया का कोई भी हिस्सा ऐसा नहीं, जहां किसी न किसी तरह की प्राकृतिक आपदाएं न आती हों। इन्हीं वैज्ञानिक अध्ययनों का मानना है कि आने वाले समय में धरती के बढ़ते तापमान का सबसे ज्यादा असर हिमालयी क्षेत्रों में पड़ेगा। इसका कारण भी साफ है। हिमालय पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील हैं। पहाड़ों का हिस्सा कच्चा-पक्का है। एक छोटी सी छेड़छाड़ भी भारी पड़ जाती है। बढ़ते तापक्रम के साथ प्रकृति से छेड़छाड़ का सबसे अधिक असर कहीं दिखाई दे रहा है तो हिमालयी क्षेत्र में। दुर्भाग्य की बात है कि पहले हिमालय के पर्वत आर्थिक असमानता को झेलते थे और अब उन्हें पारिस्थितिकी असमानता ने भी घेर लिया है। हवा, मिट्टी, जंगल, पानी को पालने वाले लोग ही अब पारिस्थितिकी के दंश को झेल रहे हैं। भिन्न-भिन्न कारणों से पहाड़ जिस तरह टूटते चले जा रहे हैं, उसके कारण उनका अस्तित्व खतरे में है। पहाड़ी क्षेत्रों की तबाही का असर पूरे देश को झेलना पड़ेगा, क्योंकि अवैध खनन, अनियोजित निर्माण आदि के चलते पहाड़ बंजर हो जाएंगे। इससे वहां से पलायन की प्रवृत्ति को और बल मिलेगा।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

चमत्कार की आशा

विपक्षी एकता का कारवां पटना से बेंगलुरु पहुंच गया, पर मामला नौ दिन चले अढ़ाई कोस वाला ही रहा। गठबंधन का नामकरण इंडिया यानी इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस के अलावा कोई निर्णय नहीं हो पाया। पटना में 16 पार्टियों से बेंगलुरु में 26 हो गईं। मंच बड़ा हुआ, पर क्या दिल भी बड़ा होगा? अब इसका पता तो सीटों के बंटवारे के समय ही लगेगा। गठबंधन की उत्कट इच्छा से एक बात तो समझ में आती है कि अस्तित्व का संकट गंभीर है। उम्मीद की किरण यह है कि मिलकर लड़ें तो शायद भविष्य में भी लड़ने लायक बचे रहें। इसलिए एक-दूसरे के प्रति असहिष्णु दल अचानक उदार नजर आने लगे हैं। गठबंधन का नाम अंग्रेजी में इंडिया रखा गया। अनजाने में ही सही पर पूरा विपक्ष भाजपा की पिच पर उतर आया। पिछले नौ साल से प्रधानमंत्री मोदी देश को औपनिवेशिक मानसिकता से उबारने का प्रयास कर रहे हैं। साथ ही भारतीय संस्कृति के पुनर्जागरण का अभियान भी चला रहे हैं। नए संसद भवन के लोकार्पण और उसमें सेंगोल की स्थापना इसका प्रत्यक्ष एवं जीवंत प्रमाण हैं। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण और काशी विश्वनाथ मंदिर संकुल सहित ऐसे तमाम कार्य हुए और हो रहे हैं। ये काम लोगों को गुलामी की मानसिकता से मुक्ति दिलाने और उनमें सनातन संस्कृति के प्रति गर्व का भाव पैदा करने का काम कर रहे हैं। आर्थिक और सामाजिक क्षेत्र में देशवासियों के सामर्थ्य और पुरुषार्थ को जगाने में प्रधानमंत्री मोदी सफल रहे हैं। देश को पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना, भारत के डिजिटल पेमेंट का डंका पूरी दुनिया में बजना, रुपये में कई देशों से अंतरराष्ट्रीय व्यापार जैसे कार्यों की बहुत लंबी सूची है। सभी बड़े देशों को लग रहा है कि वर्तमान परिस्थितियों में दुनिया को मोदी के नेतृत्व की जरूरत है। दुश्मनों के हौसले पस्त हैं और मित्रों का जोश आसमान की बुलंदियां छू रहा है। मोदी के नेतृत्व के कारण भारत की धाक एक नई विश्व व्यवस्था का उद्घोष कर रही है। ऐसे परिवेश में लगता है कि भाजपा विरोधियों ने उपनिवेशवाद को अपना मार्गदर्शक सिद्धांत बनाने का फैसला किया है। यूपीए का नाम बदलकर इंडिया क्यों किया गया? क्योंकि यूपीए कुशासन, भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद का उदाहरण बन गया है। कांग्रेस और उसके साथियों को उस दाग को छिपाने के लिए एक नई चादर की जरूरत थी। इसलिए नए नाम की जरूरत पड़ी। ऐसा नहीं कहा जा सकता कि नाम के अलावा इस गठबंधन में नया कुछ नहीं है। इसमें ममता बनर्जी को विशेष महत्व दिया गया। सीधा संदेश है कि कांग्रेस अपने कार्यकर्ताओं की हत्या की अनदेखी कर रही है। बंगाल में जो हो रहा है, उसे आदर्श जनतंत्र के रूप प्रस्तुत किया जा रहा है, क्योंकि मोदी ने तो जनतंत्र खत्म कर दिया है। यही मुद्दा लेकर विपक्षी दल देश के मतदाता के सामने जाने की तैयारी कर रहे हैं। कांग्रेस ने अपने लोगों की आवाज केवल बंगाल में दबा दी हो, ऐसा नहीं है। दिल्ली और पंजाब में भी कांग्रेस नेताओं के मुंह पर ताला जड़ दिया गया है। कहा गया कि अपने कातिल को अपना रहनुमा समझिए और केजरीवाल का हमें स्वागत करने दीजिए। केजरीवाल के सामने हम एक बार झुक सकते हैं तो फिर से झुकने में क्या हर्ज है।

नवागढ़ अभिलेख एवं पुरातत्व का लोकार्पण

नवागढ़ की पुरा संपदा ऐतिहासिक धरोहर : आचार्य श्रुतसागर महाराज

ललितपुर. शाबाश इंडिया

मयूर विहार दिल्ली में विराजित निर्यापक पट्टाचार्य श्री श्रुतसागर महाराज के मंगल सान्निध्य में प्रागैतिहासिक नवागढ़ क्षेत्र जिला ललितपुर पर केन्द्रित नवागढ़ अभिलेख एवं पुरातत्व शोध ग्रंथ का लोकार्पण मयूर विहार के अध्यक्ष विजय कुमार जैन, महामंत्री अरविंद जैन एवं समस्त पदाधिकारियों के साथ ग्रीन पार्क महिला मंडल की अध्यक्ष सरिता जैन एवं मयूर विहार की महिला अध्यक्ष अंजू जैन, रेनू जैन ने संपादित किया। नवागढ़ क्षेत्र के निर्देशक ब्रह्मचारी जयकुमार निशांत ने यह ग्रंथ आचार्यश्री को भेंट किया। नवागढ़ पर डॉक्टर अर्पिता रंजन दिल्ली ने शोधकार्य किया है। इस अवसर पर आचार्य श्री श्रुतसागर महाराज ने अपने उदबोधन में बताया ब्र. जय भैया विगत 25 वर्षों से संपर्क में हैं । आपने प्रतिष्ठा कार्य को आगमोक्त विधि से करते हुए विशेष आयाम स्थापित किया है। मुझे प्रसन्नता है आपने प्रतिष्ठा कार्य के साथ इतिहास पर भी कार्य करना आरंभ किया है। नवागढ़ में प्राप्त शैल चित्र जिनमें जैनदर्शन के गूढ़ रहस्य संकेत रूप में चित्रित हैं, विशेष हैं इनमें जहां श्रावकों की चर्या, मुनिचर्या को चित्रित किया है वहीं सल्लेखना द्वारा मुक्ति को प्राप्त करने के संकेत भी हैं। नवागढ़ में प्राप्त पुरा संपदा जैन दर्शन, पुरातत्व की ऐतिहासिक धरोहर हैं। नवागढ़ तीर्थक्षेत्र कमेटी के प्रचारमंत्री डॉ सुनील संचय ने बताया कि डॉक्टर अर्पिता रंजन जो भारतीय पुरातत्व विभाग दिल्ली में सहायक अधीक्षण पुरालेखविद के रूप में कार्यरत हैं, आपने विगत 4 वर्षों में नवागढ़ क्षेत्र के अभिलेखों, प्रतिमाओं, कलाकृतियों एवं परिवेश का अध्ययन करते हुए नवागढ़ से प्राप्त संस्कृत अभिलेख एवं पुरातात्विक साक्ष्यों का समीक्षात्मक अध्ययन विषय पर शोध प्रबंध किया है आपने यह शोध प्रबंध डॉ प्रकाश राय वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आरा बिहार के निर्देशन में संपादित किया है, आपने इस ग्रंथ में नवागढ़ के सभी साक्ष्यों के आधार पर उसकी ऐतिहासिकता, सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत पर वृहद विवेचन करते हुए यह कार्य संपन्न किया है । इस शोध प्रबंध का प्रकाशन पंडित गुलाब चंद्र पुष्प प्रतिष्ठाचार्य स्मृति ट्रस्ट एवं नवागढ़ समिति के द्वारा भारतीय ज्ञानपीठ दिल्ली से किया गया है। निदेशक ब्र. जय निशांत भैया ने अपने उदबोधन में कहा कि आचार्य महाराज ने अपनी तपा शक्ति, इच्छाशक्ति एवं साधना शक्ति के द्वारा ट्यूमर जैसे रोग को दूर किया है। कई माह तक चल नहीं पाने की स्थिति में भी आपने अपने चर्या से कोई समझोता नहीं किया। आज हमें मंत्र शक्ति, भक्ति से साक्षात्कार कराया है। आचार्यश्री के आशीर्वाद से मेरे एवं डॉक्टर बृजेश कुमार रावत लखनऊ के द्वारा जैन दर्शन की प्राचीनता इतिहास एवं पुरातत्व को देश विदेश से प्राप्त साक्ष्यों को एकत्रित करके इन के माध्यम से जैनदर्शन की प्राचीनता सांस्कृतिक विरासत को सभी के समक्ष चित्रावली के माध्यम से प्रस्तुत करना हैं। समाज अध्यक्ष श्री विजय कुमार जी ने निशांत जी का सम्मान करते हुए कहा इस मंदिर में शून्य से शिखर तक जो भी कार्य हुए हैं जय भैया जी ने हीं कराए हैं। मैं चाहता हूं आपका इसी प्रकार सहयोग सदैव मिलता रहे।

गुरु को डांटने व माता पिता को थप्पड मारने का अधिकार दिया तो वो थप्पड ही आशीर्वाद का काम करेगाः सुधासागर महाराज

आगरा. शाबाश इंडिया

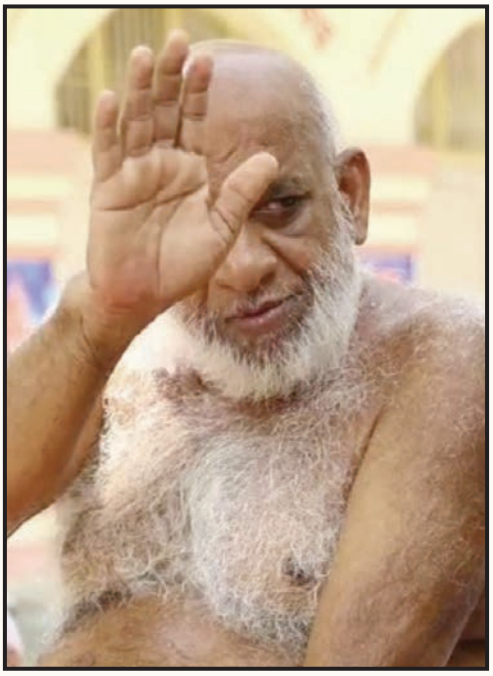

पूज्य ने निर्यापक श्रमण मुनि श्री 108 सुधासागर महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि -माता पिता के लाड प्यार से बेटा बर्बाद होता है,और4 शिष्य बर्बाद होता गुरु की कृपा से,गुरु के आशीर्वाद से, महाराज श्री ने कहा कि बर्बाद होंगे वे माता पिता बेटे की प्रशंसा करेंगे। आशीर्वाद मिलने कर बर्बादी हो रही है। महाराज श्री ने इस ओर ध्यान दिलाया कि यदि तुमने गुरु को डांटने व माता पिता को थप्पड मारने का अधिकार दिया वो थप्पड ही तुम्हारे लिए आशीर्वाद का काम करेगा,गुरु के मुख से बुराई,पापी कहा गया तो कल्याण है। उन्होंने आगे कहा तुमने किसी को लूटा तो तुम्हें तो अच्छा लग रहा है सामने वाले को दुःख हो रहा है कि तुम्हें खुशी हो रही है,यदि सामने वाले को दुःख हो रहा है तो ये दुःख तुम्हारे पास लौटकर आयेगा। महाराज श्री ने कहा पापी बनना जितना कठिन है पुण्यात्मा बनना बहुत सरल है। उन्होंने कटाक्ष किया पता नहीं आपके झगड़ टंट्टे देखकर लगता है कि कितना कठिन है जिन स्थानों पर आप एक घंटे नहीं रह सकते वह डाकूओं का जीवन निकल जाता है। कितना कठिन है रात में भी भागना पड़ता है। शांति सागर महाराज ने कहा था कि संयम धारण करने में कोई कठिनाई नहीं है। उन्होंने आगे कहा व्रत में धर्म में संयम मार्ग में कोई कठिनाई नहीं है। पूज्य मुनि श्री ने आचार्य श्री शांतिसागर महाराज के विषय में बताते हुए कहा कि आचार्य श्री शांतिसागर महाराज ने कहा था कि संयम धारण करने में कोई कठनाई नहीं है बहुत सरल है। हम लोगों को कोई चिंता नहीं है आराम से बैठे हैं तुम्हारे लिए हमें पता चले की डाकू तुम्हारे संबंध में विचार कर रहे थे तो बोलो तुम्हारी क्या दशा होगी और इसके विपरीत आपको पता चले कि महाराज जी मेरा नाम ले रहे थे मेरे संबध में विचार कर रहे थे आपको पता चले तो आप नाच उठगे महाराज जी मेरे संबध में विचार कर रहे थे मैं धन्य हो गया अब मेरा कुछ अच्छा होने वाला है मेरे लिए कुछ कह रहे थे मैं धन्य हो गया महाराज जी के मुख पर मेरा नाम आया है ये पुण्यात्मा है। जगत में कुछ नया हैं ही नहीं-पेड़ ने कर दिया ऐलान पूराने पत्तों को जाना होगा नये पत्तों को स्थान देना है परिवर्तन है वे पुराने पत्ते वहीं सड़कर उसी स्थान पेड़ को खाद का काम करता है। एक उदाहरण से महाराष्ट्री ने समझाया की एक बुजूर्ग व्यक्ति मर रहा था लोग कहते हैं कि चलो बुजूर्ग से आशीर्वाद लें आयें वहीं जीव उसी नगर के राजा के यहां जन्मा तो उसे आशीर्वाद देने निकल पड़े नया कुछ नहीं है पर्याय का परिवर्तन है नया कुछ है ही नहीं है नये पुराने में आंनद नहीं है दुनिया में कुछ नया हैं ही नहीं है बालक और बूढ़े के बीच में जो है उसे समझ लेना, जैन दर्शन में रोना भी कषाय है, हंसना भी कषाय है, हंसने में आंनद मनाने वाले रोने को तैयार रहें। <u>संकलनः अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी</u>

पूर्व सरपंच बंशीधरजी की पुण्यतिथि पर भजन संध्या एवं वृक्षारोपण किया गया

<u>विमल जोला. शाबाश इंडिया</u>

निवाई। पूर्व सरपंच झिलाय स्वर्गीय बंशीधर जी बोहरा की 15 वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में 24 जूलाई को रात में झिलाय मे भजन संध्या आयोजित की गई। भजन संध्या का शुभारंभ समाजसेवी भगवान मल जैन एवं श्री मति मन्जू जैन सवाईमाधोपुर एवं ममता बोहरा ने दीप प्रज्वलित कर शुरू करवाया।कार्यक्रम में भजन मंडली ने भजनों की प्रस्तुतियां दी। भजन संध्या के मुख्य गायक कलाकार बाबूलाल ने भजनों की प्रस्तुतियां दी जिस पर भक्तों ने जमकर भक्ति की। इस अवसर पर पूर्व सरपंच स्व. बंशीधर जी बोहरा की 15 वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में कैलाश उधोग रीको इण्डस्ट्रीज एरिया में वृक्षारोपण किया गया जिसमें केलाश चंद ताराचंद प्रेमचन्द विष्णु बोहरा राजेन्द्र कुमार त्रिलोक चंद मोहन सोनी लालचंद बोहरा संजय भाणजा एवं पण्डित दीनदयाल राहुल बोहरा रीमा जैन ने बीलपत्र आम एवं अशोका के पोधे रोपकर उनके देखरेख करने का संकल्प लिया। इस दौरान कैलाश उधोग के निदेशक विष्णु बोहरा ने बताया कि हर वर्ष पुण्यतिथि पर वृक्षारोपण कर झिलाय के बंशीवारा मंदिर में संकीर्तन करवाया जाता है। इस अवसर पर विष्णु बोहरा ने कहा कि वृक्षारोपण करने से रासायनिक उर्जा मिलती हैं। वृक्षारोपण पौधों की हरियाली से हमारे शरीर की कई तरह की बीमारियों में लाभ मिलता है।

लाल डायरी

लाल डायरियों में,
लाल रसीले टमाटरों,
का हिसाब है।
साहब की आलाकमान से
मोहब्बत बेहिसाब है।
क्या? लोकतंत्र की ये
कोई नहीं किताब है।
या फिर विपक्षियों को
होने वाला इससे
कोई लाभ है।
जननायक करते नहीं
आजकल मुद्दों की बात है।
जनता ने संभाल कर
रखा हुआ है।
एक-एक जनप्रतिनिधि का
हिसाब है।
सुत समते लौटा देने को
अब जन -जन बेताब है।
अबकी बार मिलने वाला है,
सभी को एक नया खिताब है।

डॉ. कांता मीना
शिक्षाविद् एवं साहित्यकार

पंच दिवसीय महोत्सव संपन्न, उमड़ी श्रद्धालुओं की आस्था

करो नहीं ऐसा व्यवहार जो न हो मन को स्वीकार: आचार्य सौरभ सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया। शहर के प्रताप नगर सेक्टर 8 दिगंबर जैन मंदिर में चल रहे आचार्य सौरभ सागर महाराज के सानिध्य में पंच दिवसीय श्री मज्जाजिनेन्द्र महाअर्चना सिद्धचक्र महामंडल विधान पूजन के पांचवे और अंतिम दिन प्रातः 8.30 बजे महोत्सव में सम्मिलित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्य सौरभ सागर ने कहा कि - जो कृत्य स्वयं को स्वीकार न हो वह कृत्य दूसरों के साथ कभी नही करना चाहिये। मनुष्य अगर असमय में किसी प्राणी का घात करता है तो वह भी असमय में मृत्यु का पात्र होता है। मनुष्य को स्वयं कृत कर्म का फल अवश्यमेव भोगना पड़ता है कर्म किसी का सगा सम्बन्धी नही है। गेंद को जितने फोर्स के साथ दीवार पर मारा जाए वह उतनी ही तेजी से वापस लौट आती है। उसी प्रकार कर्म करते वक्त मनुष्य के मन में जितनी क्रूरता, संकलेशिता होती है उतनी ही तीव्रता से कर्म का आश्रव होता है और उतनी ही शक्ति का कर्म अपना फल देता है। आचार्य सौरभ सागर ने कहा की - मनुष्य अपनी अर्थव्यवस्था, समाज संरचना, नीति, धर्म, संस्कृति आदि का ध्यान रखे बिना, सिर्फ शौक, मनोरंजन, स्वाद व सुविधा के लिए अपने पर्यावरण का नाश करने पर तुला हुआ है। जो सदियों से मनुष्य का साथ दे रहें है, मनुष्य उसी का संहार कर रहा है। स्वयं हरी - भरी धरती को रेगिस्तान बना रहा है। स्वयं ही प्रदूषण उत्पन्न कर रहा है। मनुष्य पर्यावरण को संतुलित रखने के बजाय पशु व वृक्षों का नाश कर रहा है। राम - राज्य में दूध की नदियां एवं कृष्ण राज्य में घी की नदियां बहा करती थी पर आज के राज्य में चाय भी नसीब नही है ; क्योंकि मनुष्य की ही क्रूर प्रवृति मनुष्य का शोषण कर रही है।

कांग्रेस प्रदेश महासचिव पुष्पेंद्र भारद्वाज, वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण चंद छाबड़ा, समाजसेवी महेश काला, सुनील बक्सी ने लिया आशीर्वाद, कार्यकर्ताओ का हुआ सम्मान

मुख्य समन्वयक गजेंद्र बड़जात्या ने बताया की महोत्सव के आखिरी दिन अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी प्रदेश महासचिव पुष्पेंद्र भारद्वाज, जयपुर नगर निगम ग्रेटर प्रतिपक्ष नेता राजीव चौधरी, वीर सेवक मंडल अध्यक्ष महेश काला, श्री महावीर शिक्षा परिषद मंत्री सुनील बक्सी, वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण चंद छाबड़ा सहित मुख्य अतिथि केलाशचन्द, माणकचन्द, रमेश ठोलिया आदि ने भी सम्मिलित होकर आचार्य सौरभ सागर महाराज को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान अध्यक्ष कमलेश जैन, मंत्री महेंद्र जैन, कार्याध्यक्ष दुगार्लाल जैन, कोषाध्यक्ष धर्मचंद जैन, चेतन जैन निमोडिया, राजेंद्र सोगानी, नरेंद्र जैन आवा वाले, महेश सेठी, बाबूलाल जैन इटुंदा, प्रचार संयोजक सुनील साखुनियां आदि ने सभी आमंत्रित अतिथियों का केसर तिलक लगाकर, माला, साफा और पटका पहनाकर स्वागत सम्मान किया। इस दौरान आयोजन में उपस्थित सभी श्रावकों ने वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण चंद छाबड़ा के 94 वें जन्मदिवस पर तालियों की गड़गड़ाहट के अभिनंदन किया। पांच दिन चले आयोजन की जिम्मेदारी संभाल रहे समाज श्रेष्ठियों, समाज समिति के पदाधिकारियों, महिला मंडल और युवा मंडल के पदाधिकारियों का भी सम्मान श्री पुष्प वषायोग समिति द्वारा किया गया।

श्री महावीर दि. जैन मंदिर सेवा समिति मुरलीपुरा कार्यकारिणी के चुनाव सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर सेवा समिति, मुरलीपुरा स्कीम, जयपुर की नवीन कार्यकारिणी गठन हेतु निर्विरोध चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न हुई। चुनाव अधिकारी एडवोकेट सुधीर जैन ने बताया कि चुनाव में एक पद पर एक से अधिक नामांकन प्राप्त नहीं होने के कारण, धर्मचंद जैन (जोबनेर वाले) - अध्यक्ष,नीरज जैन - महामंत्री एवं पंकज जैन - कोषाध्यक्ष पद पर तीन वर्ष के कार्यकाल हेतु निर्विरोध निर्वाचित घोषित हुए।

इंतजार का फल मीठा होता है: गुरू माँ विज्ञाश्री माताजी

गुंशी, निवाई. कासं। प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न 105 विज्ञाश्री माताजी का 29 वां साधनामय चातुर्मास के अंतर्गत श्री दिगंबर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ , गुन्सी क्षेत्र का विकास तेज गति से चल रहा है। गुरु माँ की दैनिक चर्या में मौन साधना , स्वाध्याय, प्रतिक्रमण, सामायिक, मंत्र साधना एवं उपवास जैसे विविध तपों का समावेश है। प्रातःकालीन देववंदना व सहस्त्रनाम की भक्ति के रसास्वादन से ही दिन की शुरूआत होती है। शांतिनाथ प्रभु के दरबार में आज की शांतिधारा करने का सौभाग्य सुरेश जी टोंक, कैलाश जी जस्सू का खेडा एवं जन्मदिन के शुभअवसर पर महेश जी मोटुका वालों ने प्राप्त किया। तत्पश्चात शुभाशीष के रूप में गुरू माँ ने कहा कि - बीज को फल बनने का इंतजार करना पड़ता है वैसे ही भक्ति का फल पाने के लिए इंतजार करना चाहिए। इंतजार का फल मीठा होता है। इस शरीर से पूजा , भक्ति , सेवा , उपकार, दान आदि शुभ कार्य करके जीवन सफल बनाना है। यदि हम अच्छा करेंगे तो अच्छा व बुरा करेंगे तो बुरे फल को प्राप्त करेंगे। तात्कालिक फल चाहिए तो घास - फूस मिलेगी और उत्तम नारियल जैसा चाहिए तो इंतजार करना पड़ेगा।

सेंट्रल पार्क में अनार जामुन अमरूद शहतूत नीम के पौधे लगाए

जयपुर. शाबाश इंडिया। योग गुरु श्री परम आलय जी महाराज के जन्म दिन के उपलक्ष्य मे सेंट्रल पार्क में अनार जामुन अमरूद शहतूत नीम के पौधे लगाए गए सहयोगी योग गुरु नरेन्द्र वैद और माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय माहेश्वरी ''अमरीश'' प्रमुख समाज सेवी एवम भारतीय जनता पार्टी के जयपुर शहर व्यापार प्रकोष्ठ आदर्श नगर विधानसभा के संयोजक प्रमोद जैन भँवर मौजूद रहे।

स्नेह मिलन समारोह का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर जैन समाज में अपना विशिष्ट स्थान रखने वाले छाबडा परिवार चान्दू लाल छाबडा (मस्तोफ) जिन्हें राजा महाराजा के समय मस्तोफ की उपाधि से नवाजा गया था के परिवार की चार पीढ़ियों के लगभग 300 परिवार जनों का एक ऐतिहासिक स्नेह मिलन समारोह का आयोजन शारदा नन्दा, मॉडर्न एजयुकेशन सोसाइटी टी. टी. कॉलेज परिसर में किया गया। अजय छाबडा ने बताया कि इस स्नेह मिलन समारोह में चान्दू लाल मस्तोफ के पाँच पुत्रों व एक पुत्री के परिवार जनों ने हिस्सा लिया एवं अपने अपने परिवार जनों का परिचय करवाया। परिचय सत्र में संयुक्त परिवार प्रणाली के महत्व को समझाते हुए सूर्य प्रकाश छाबडा ने कहा कि आओ मिलकर साथ चलें आओ मिलकर बात करें मिलकर हम सब काम करें। आओ मिलकर नवयुग में हम संयुक्त परिवार प्रणाली का निर्माण करें। संपूर्ण कार्यक्रम की व्यवस्थाएँ नरेंद्र छाबडा, संतोष छाबडा, आशीष छाबडा, संदीप छाबडा व अनुज छाबडा ने कायम कर कार्यक्रम को सफलता की ऊंचाइयों तक पहुँचाया। स्नेह मिलन समारोह के ऐतिहासिक पलों को कैमरे में कैद करने का महत्वपूर्ण कार्य नीरज छाबडा ने किया। प्रदीप छाबडा ने सभी परिवार जनों का आभार व्यक्त किया।

दिल्ली में प्रथम जैन प्याऊ का उद्घाटन संपन्न

समाजसेवा से जुड़ा रहे जैन समाज-आचार्य अतिवीर मुनि

समीर जैन. शाबाश इंडिया

नई दिल्ली। परम पूज्य आचार्य श्री १०८ श्रुत सागर जी महाराज की सद्प्रेरणा व मंगल आशीर्वाद से भारत जैन महामण्डल दिल्ली द्वारा प्रथम जैन प्याऊ का भव्य उद्घाटन परम पूज्य आचार्य श्री 108 अतिवीर जी मुनिराज एवं गणिनी आर्यिका श्री 105 चन्द्रमती माताजी के पावन सान्निध्य में राजधानी दिल्ली स्थित श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र लाल मन्दिर, चांदनी चौक में दिनांक 22 जुलाई 2023 को समारोहपूर्वक किया गया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद लहर सिंह सिरोया (कर्णाटक) ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई तथा जैन समाज द्वारा किए जा रहे जनोपयोगी कार्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री अतिवीर जी मुनिराज ने कहा कि जैन समाज सदैव समाज सेवा व समाजोत्थान के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाता रहा है, परंतु वर्तमान में जैन समाज की संस्थाएं कुछ उदासीन होती जा रही हैं। भारत जैन महामण्डल इन कार्यों की शुरूआत कर रहा है, अवश्य ही समिति साधुवाद की पात्र है। श्री विवेक जैन (उपाध्यक्ष) ने बताया कि भारत जैन महामण्डल द्वारा जैन मन्दिर, स्थानक, धर्मशाला आदि सार्वजनिक स्थानों पर 125 जैन प्याऊ का निर्माण किया जाना है, जिसकी शुरूआत दिल्ली के ऐतिहासिक तीर्थ से की जा रही है. प्रथम जैन प्याऊ के निर्माण सहयोगी श्रीमति कुमकुम जैन-श्री अतुल जैन व समस्त आगंतुक अतिथियों का प्राचीन श्री अग्रवाल दिगम्बर जैन पंचायत (पंजी.), धर्मपुरा द्वारा सम्मान किया गया। दिल्ली जैन समाज के अध्यक्ष श्री चक्रेश जैन जी के निर्देशन में आयोजित भव्य समारोह में समाज रत्न श्री सुभाष जैन ओसवाल (राष्ट्रीय परामर्शदाता), श्री अतुल जैन (अध्यक्ष), श्री पुनीत जैन (कार्याध्यक्ष), श्री राजेन्द्र जैन (महामंत्री) आदि अनेक गणमान्य महानुभाव सम्मिलित हुए।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल द्वारा इंदिरा रसोई के माध्यम से जरूरतमंद 100 लोगों को भोजन कराया गया।

लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल की मीटिंग आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल की सत्र2023-24 की प्रथम मीटिंग होटल पापी पेट में आयोजित की गई, जिसमे लगभग सभी सदस्याओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। पूर्व अध्यक्ष ने नई कार्यकारिणी को पूरे वर्ष अच्छे सेवा कार्य करने के लिए शुभकामनाएं दी। व अध्यक्ष ला. रानी पाटनी ने पूरे वर्ष में अन्न दान, भोजन वितरण,पौधरोपण, दिव्यांग सेवा, जीवदया, शिक्षा,आदि क्षेत्रों में सेवा कार्य करने पर विचार विमर्श किया। मीटिंग समापन पर सचिव ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

शरीर को सुख देने से आत्मा उत्थान नही हो सकता है : साध्वी धर्म प्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नाई। शरीर को सुख देने से आत्मा का उत्थान नही सकता है मंगलवार साहूकार पेठ में साध्वी धर्मप्रभा ने व्याख्यान मे श्रध्दालूओ को धर्म संदेश देतें हूए कहा कि मनुष्य का हर कदम मौत कि तरफ जा रहा है फिर वो शरीर का सुख चाहता है । मनुष्य जन्म लेते ही अपनी मौत का टिकट साथ लेकर आता है।लेकिन मनुष्य मौत का विचार करें या न करें, वह आये बिना न रहेगी। मरण निश्चित है और बातें भले ही अनिश्चित हों। सूर्य अस्ताचल की ओर गया कि हमारी आयु का एक अंश खा जाता है। जीवन छीज रहा है,एक- एक बूँद घटता जा रहा है। जीवन, मृत्यु फिर जीवन, यह क्रम चला जा रहा है। मनुष्य यह मत समझ ले कि मरने के बाद उसे छुट्टी मिल जायगी। इस जीवन की गंगा तो प्रभू से निकल कर प्रभू में ही मिलना है। सुख-दुख, पाप-पुण्य, दिन-रात, आशा-निराशा की जैसी जोड़ी है वैसी ही जन्म-मृत्यु की,न कि जीवन मृत्यु की।जो जन्मता है वह मरता है,जो मरता है वह जन्मता है।लेकिन इस

आत्मा के कल्याण का केवल एक ही उपाय है और वो भगवान को जान लेना वह तभी संभव हो सकता है। जब मनुष्य चौबीस घंटो मैं से एक घड़ी भी एकाग्रचित्त और निस्वार्थ भाव से भी प्रभू का स्मरण करले तो अपनी इस आत्मा को परमात्मा मे विलय कर सकता है। वरना यह आत्मा जन्म -मरण के चक्रव्यूह से बाहर नही निकल पाएगी। साध्वी स्नेहप्रभा ने कहा कि मनुष्य एक क्रियाशील प्राणी है जो चौबीस घंटें किस ना किसी क्रियाओं में संलग्न रहता है। जो क्रिया मनुष्य जीवन मे करता वो शुभ भी होती है और अशुम भी उन्ही क्रियाओं के द्वारा मानव पुण्य और पाप के कर्म बंधन करता है ।इंसान फल पुण्यवानी बांधना चाहता है, परन्तु क्रियाएं विपरीत करता है । जब तक मनुष्य के मन में राग द्वेष आशिक्त रहेगी तब कर्मों कि निर्जरा नही हो सकती है परमात्मा कि भक्ति से आत्मा तिर सकती है शरीर को सुख देने से आत्मा का विकास रूक जायेगा,और संसार मे आत्मा भटकती रहेंगी। इसदौरान श्री एस.एस. जैन संघ साहूकार पेठ के अध्यक्ष एम.अजितराज कोठारी कार्याध्यक्ष महावीर चन्द सिसोदिया, सज्जनराज सुराणा, सुरेश डूगरवाल, महावीर कोठारी, बादल चन्द कोठारी, मोतीलाल ओस्तवाल, अशोक सिसोदिया, शम्भूसिंह कावड़िया, कमल खाबिया, जितेन्द्र भंडारी आदि पदाधिकारियों और सैकड़ों श्रद्धालूओ की धर्मसभा में उपस्थिति रही।

सच्ची श्रद्धा और आस्था से होती है पुण्य की प्राप्तिः आचार्य विवेक सागर

48 दिवसीय श्री भक्तामर स्तोत्र प्रवचन श्रृंखला एवं दिपर्चन, संगीतमय श्री भक्तामर स्तोत्र पाठ में 48 दीप समर्पित

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। 48 दिवसीय आयोजन के अन्तर्गत नौवें दिन आचार्य विवेक सागर महाराज ने पंचायत छोटा धड़ा नसियां में उपस्थित श्रद्धालुओं से कहा देव आज्ञा, गुरु आज्ञा, शास्त्र आज्ञा इन्हीं तीनो शब्दो में ही पूरा विश्व समाया है । हिंदी वर्णमालाओं से प्रारंभ होकर ज्ञा पर पूर्ण होती हैं, आज्ञा मे ही सब समाहित है आचार्य मानतुंग स्वामी कहते हैं कि हे प्रभु आपकी आज्ञा मिली है तो मै कैसे नहीं भक्ति करू भक्तामर में भक्ति करने का माध्यम तो है ही लेकिन यहां प्रभु आज्ञा भी है यदि हम जिनेन्द्र भगवान की आज्ञा मे नहीं चलते हैं तो हम कृतघ्नी हैं जिनेन्द्र प्रभु तीन चीजे कहते है नित्य देव दर्शन,रात्रि भोजन निषेध ,पानी छानकर पीना यह सच्चे श्रावक का धर्म है। भक्तामर के नौवें काव्य में लिखा है धर्म प्रभावना करो आदिनाथ तीर्थकर की प्रतिमा इतनी सुंदर है ये दूसरे को बताओ, भगवान से बाते करना भी भक्ति कहलाती हैं , भगवान में सच्ची श्रद्धा रखने पर भी पाप कर्म दूर हो जाते है,प्रभु में हमारी सच्ची श्रद्धा और आस्था होगी तभी पुण्य प्राप्त होगा। इससे पूर्व आयोजन में भक्तामर मंगल कलश की स्थापना एवं मांगलिक क्रियाएं मनभर देवी ठोलिया मातुश्री मनोज - मंजू ,निष्ठा ठोलिया परिवार ने सम्पन्न की इनका समिति अध्यक्ष सुशील बाकलीवाल,कोमल लुहाड़िया , विनय पाटनी, नरेन्द्र गोधा, नितिन दोसी,लोकेश ढिलवारी आदि ने माला शाल पहनाकर व प्रशस्ति पत्र देकर स्वागत अभिनन्दन किया। मंगलवार शाम को भगवान आदिनाथ की प्रतिमा के समक्ष संगीतमय भक्तामर महिमा पाठ भव्य आयोजन किया गया। प्रवक्ता पदम चन्द सोगानी ने बताया भक्तामर स्तोत्र पाठ का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया, संगीत पार्टी व भजन गायक लोकेश ढिलवारी के भक्तिमय स्वरो के साथ साथ पुण्यार्जक मनोहर देवी ठोलिया मातुश्री मनोज - मंजू , निष्ठा ठोलिया परिवार के साथ समाज बन्धुओं ने सामूहिक रूप से भक्तामर के 48 महाकाव्यों को ऋद्धि सिद्धी मंत्रो उच्चारणो के साथ 48 दीप प्रज्वलित कर समर्पित किए गये तत्पश्चात जिनेन्द्र महाआरती की।

जयपुर में आई फ्लू संक्रमण

जयपुर. शाबाश इंडिया। इन दिनों जयपुर में आई फ्लू का संक्रमण तेजी से फैल रहा है। इसका प्रमुख कारण बारिश व उमस भरी गर्मी के कारण मौसम में अत्यधिक नमी का होना है ।इससे आंखों में कंजंक्टिवाइटिस हो रहा है जिसमें आंखों से कीचड सा या जलन करने वाला पानी आता है,आंखों को बार-बार न छुएं व अन्य लोगों से हाथ दूर रखें । इस समय बच्चे,युवा व वृद्ध सभी में यह संक्रमण देखने को मिल रहा है।इस संक्रमण से बचने के लिए आप ऐबा नामक दवा लें जो आपको तुरंत ही फायदा देगी । यह दवा अन्तरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त वरिष्ठ होम्योपैथ डां.एम.एल जैन ''मणि'' नें अपने 55 वर्षिय चिकित्सकीय अनुभव से बनाई है। इसका प्रथम प्रयोग सन, 1980में आई जयपुर की बाढ के समय किया गया था, जब जयपुर के आसपास चन्दलाई,तीतरिया, कोटखावदा आदि अनेक गावों के हजारों परिवारों को डां 'मणि' ने निःशुल्क यह ऐबा व डालने की दवा का वितरण किया था ।तब से आजतक यह दवा लाखों संक्रमित लोगों को दी जा रही है,यह दवा निश्चित रुप से इस रोग से मुक्ती दिलाती है।इस दवा को निशुल्क 8949032693 पर सम्पर्क कर ,समय लेकर प्राप्त किया जा सकता है।

युवा ही धर्म ध्वजा ओर संस्कृति को आगे बढ़ाने में सहायक है : मुनि श्री 108 सुयश सागर

झुमरीतिलैया. शाबाश इंडिया। जैन संत मुनि श्री 108 सूयशसागर ने कहा कि युवा ही धर्म ध्वजा और संस्कृति को आगे बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं धर्म और संस्कृति से ही राष्ट्र निर्माण होता है आज जैन समाज झुमरीतिलैया के डेढ़ सौ युवाओं ने स्वयं अपने हाथ से खाना बनाकर झुमरी तिलैया में चातुर्मास कर रहे जैन संत मुनि श्री 108 सूयश सागर गुरुदेव को नवधा भक्ति पूर्वक आहार कराया प्रतिदिन मंदिर जाने का अहिंसा और शाकाहार का शपथ लिया श्री दिगंबर जैन समाज झुमरी तिलैया में परम पूज्य चर्या शिरोमणि आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य जैन संत मुनि श्री 108 सुयशसागर जी महाराज का भव्य मंगल चातुर्मास बहुत ही भक्ति भाव के साथ हो रहा है आज प्रातः सर्व प्रथम देवाधिदेव1008 चन्द्रप्रभु भगवान का कलश ओर महाशान्तिधारा सभी युवाओं के द्वारा किया गया इसके पश्चात सभी श्रद्धालु जन स्टेशन रोड श्री बड़े मंदिर जी से धर्म ध्वजा बेंड बाजे के साथ नगर भ्रमण करते हुए पानी टंकी रोड जैन मंदिर पहुंचे।